Daily Gospel Reflections in Hindi

18 October 2019

लूकस 10 : 1 - 9
Seventy disciples are sent

आज माता कलीसिया, सुसमाचारक संत लुकस का त्यौहार मनाती है। इतिहास में पड़ते है कि, वह एक युनानी डॉक्टर था। वह हमेशा संत पौलुस के साथ रहता था। संत पौलुस जो भी प्रभु के बारे में सिखाया था, उसी पर आधारित संत लुकस ने सुसमाचार लिखा। यह भी विश्वास करते है कि उन्होने ही, प्रेरित चरित्र ग्रंथ लिखा था, इसम आदिम कलीसिया के शुरूआत से लेकर, पहली बार जब संत पौलुस रोम में रहा था, उसी के बारे मे उन्होंने लिखा है। संत लुकस के सुसमाचार के ज़रियें युनानीयों को यहुदी परम्परा एवं इब्रानी शब्दों का मतलब भी समझाते है।

आज के सुसमाचार में प्रभु ईसा मसीह कहते है कि, "फसल तो बहुत है, परन्तु मजदूर थोड़े हैः इसलिये फसल के स्वामी से विनती करो, कि वह अपनी फसल काटने के लिये मजदूरो को भेजे।" सुसमाचार कार्य को आगे बढाने एवं उसमे लोगो को सक्रिय रूप से भागीदार बनाने के लिये, प्रभु चाहते है। संसार के कोने–कोने तक प्रभु के मुक्तिदायक वचन को लोगो तक पहुँचाने को प्रभु चाहते है।

आज के सुसमाचार भाग में प्रभु ने किस तरह से सुसमाचार प्रचार कार्य के लिये, निकलना है उसी के बारे मे बताते है। प्रभु कहते है साथ में कुछ भी न लेते हुए, जिस घर में प्रवेश करते है, उसी घर मे शांति का अभिवांदन करते हुए, जो भी खाने पीने के लिये परोसा जाता है उसी को लेते हुए, मिशन कार्य के लिये निकलने को कहते है। रोगियों चंगा करते हुए, प्रभु का राज्य निकट आ गया है, यह संदेश लोगो को देने के लिए कहते है। यही हमारा बुलाहट है। ईश्वर के शिष्य बनकर उनका सुसमाचार प्रचार कार्य मे सहभागी बनने के लिए हम बुलाए गए है।

हम हर एक ख्रिस्तीयों को अलग–अलग वरदान मिले है, उन वरदानों को सदुपयोग करते हुए जिस तरह संत लुकस ने, युनानीयों को प्रभु का संदेश दिया था उसी तरह हम भी, प्रभु के सुसमाचार प्रचार कार्य में सक्रियें रूप से भाग लेने के लिये कौशिश करेंगें।

Rev. Fr. Alex Pulickaparambil

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019